सं शो वि । एफ ही । 164-86 | 43252 --- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं । जय हिन्द इनवेस्टमें न्ट एण्ड इण्डस्ट्रीज लि., 135 | 24, फरीदाबाद के श्रमिक श्री किशन सिंह पुत्र श्री चिमन लाल, गांव प्याला, बल्लबगढ़ तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाव लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई शोद्योगिक विवाद है;

ग्रीर च्रीक हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित ओद्योगिक अधि करण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिदिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या भी किशन सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं श्रो विव /एफ हो व / 153-86 / 43259. --चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं व कोशिश इन्जिनियरिंग इण्डस्ट्रीज, 2-एच-79, बीव सीव, एनव श्राईव टीव, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री मोहर पाल सिंह मार्फ त श्री बी.एस. गुप्ता, ई-74, फिरोजगांधी नगर, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, भ्रव, भ्रौद्योगिक विवाद भ्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई भिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित ओद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, परिवाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों क बीच या तो विवादग्रस्त मामला है भ्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री मोहर पाल सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तया ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का इकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/151-86/43266.—चूं कि हिरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० रश्मी स्टील, 231/24 फरीदाबाद के श्रीमक श्री ललन प्रसाद, पुत्र श्री विश्वकर्मा मार्फत एक्ट कार्यालय, मारिकट नं० 1, एन० ग्राई० टी०, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायिनर्णय हेतु निरिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा ७क के अधीन गठित भोद्योगिक अधि-करण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिद्धिट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं। न्यायिनणिय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री ललन प्रसाद की सेवाग्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/एफ०डी०/127-86/43273.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० टेलकम मार्फत माईश्रो मिक्स इण्डिया, प्लाट नं० 4, बाटा चौक एन० ग्राई० टी०, फरीदाबाद के श्रिमिक श्रीमती सीता देवी, पत्नी श्री योगिनद कुमार, 3-ए/109, एन० ग्राई टी०, फरीदाबाद तथा उसके प्रवन्धकों के इस मध्य में इसके बाद लिखित मामले के संवन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है।

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायानिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित श्रीद्योगिक श्रधिकरण हिरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिद्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के वीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं न्यायिनर्गय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं :—

क्या श्रीमती सीता देवी की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वमं त्ताग पत्न देकर नौकरी छोड़ी है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत की हकदार है ?